International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030
Impact Factor: RJIF 5.24
www.advancedjournal.com
Volume 3; Issue 4; July 2018; Page No. 16-17

16 वां लोकसभा चुनाव 2014

विनोद कुमार
Department of Political Science, MDU, Rohtak, Haryana, India

प्रस्तावना

16 वें लोकसभा चुनाव की मतगणना 16 मई 2014 को सम्पन्न हुई। कुल 543 सीटों के लिए हुए इस आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को भारी सफलता प्राप्त हुई है। उसे 336 सीटें प्राप्त हुई जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए गठबंधन को 60 सीटें ही मिल सकी। कांग्रेस को अकेले मात्र 44 सीटें ही मिल सकीं जो उसके इतिहास में यह करारी हार है। भारतीय जनता पार्टी के इस चुनाव में सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याषी घोषित कर लडे गए चुनाव में उसने अपने बल पर ही बहुमत प्राप्त कर लिया है उसे अकेले 282 सीटें प्राप्त हुई हैं।

धरातल पर

1. क्षेत्रिय दलों में तमिलनाडु में एआईएडीएमके को 37, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को 34, ओडिसा में बिजू जनता दल को 20 और आन्ध्रप्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस को 9 सीटें प्राप्त हुई। समय–समय पर कांग्रेस को बाहर से समर्थन देने वाली उतरप्रदेश की समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को इस चुनाव में भारी घाटा उठाना पडा। समाजवादी पार्टी को जहां 80 में से मात्र 5 सीटें ही प्राप्त हो सकी वहीं बहुजन समाज पार्टी का खाता भी नहीं खुल सका।

भारतीय जनता पार्टी

2. भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की 10 साल बाद पुनः सत्ता में वापसी हो गई है। नरेन्द्र मोदी को 26 मई को देश के 15 वें प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के समय

3. शपथ ग्रहण के इस अवसर पर दक्षेस देशों के नेताओं सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष उपस्थित थे। इसमें पाकिस्तान प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका के राष्ट्रपति महेन्द्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिगे तोबगे, नेपाल के प्रधानमंत्री सुशील कोईराला, मॉरीशिस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम, मालदीव के राष्ट्रपति यमीन अब्दुल गयूम और बांग्लादेश की तरफ से वहां की स्पीकर शीरीन चौधरी ने भाग लिया। शपथ ग्रहण के बाद नए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षेस राष्ट्राध्यक्षों के साथ आपसी एवं क्षेत्रिय मामलों पर भी चर्चा की।

150 देशों के राजदूत, उच्चायुक्त भी शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित थे। समारोह उपस्थित हस्तियों निवर्तमान प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह, यूपीए व कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी व कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के अतिरिक्त अधिकांश अन्य राजनीतिक दलों के प्रमुख शमिल थे। श्रीलंका के राष्ट्रपति आमंत्रि करने के विरोध में अन्नाद्रमुक प्रमुख जयललिता समारोह में उपस्थित नहीं हुए। उनके अतिरिक्त कला, संगीत, सिनेमा व खेल जगत की अनेक जानी–मानी हस्तियां भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थी। कुल मिलाकर देश–विदेश की लगभग 5 हजार हस्तियों ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

मतदान का प्रतिशत

4. विश्व के सबसे बडे लोकतांत्रिक देश भारत में 16वें लोकसभा चुनाव 7 अप्रैल से 12 मई 2014 तक 9 चरणों में सम्पन्न हुआ। इसमें 66.38 प्रतिशत मतदान हुआ। इस लोकसभा के चुनाव परिणाम अप्रत्याशी रहे। एनडीए को बढत मिलेगी माना जा रहा था लेकिन इतना जबरदस्त बहुमत मिलेगा। इसकी कल्पना खुद एनडीए के नेताओं ने भी नहीं की थी। कांग्रेस का 50 प्रतिशत से सिमट जाना भी अप्रत्याशीत ही रहा। पांच राज्यों में भाजपा ने विपक्ष को खाता खोलने के लिए तरसा दिया। गुजरात, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और उतराखंड की सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने कब्जा जमाया। छतीसगढ में 11 में से 10, झारखंड में 14 में से 12, मध्यप्रदेश में 29 में से 27 और उतरप्रदेश में 80 में से 71 सीटों पर भाजपा ने अपना परचम लहराया।
5. पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक में नरेन्द्र मोदी को औपचारिक रूप से नेता चुनने के बाद एनडीए के 15 सदस्यीय शिष्टमंडल ने राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से भेंटकर नरेन्द्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का अनुरोध 20 मई 2014 को किया। राष्ट्रपति के आमंत्रण पर 26 मई 2014 को राष्ट्रपति भवन प्रांगण में आयोजित समारोह में देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ नरेन्द्र मोदी ने ग्रहण की है उनके साथ 45 मन्त्रियों ने शपथ ग्रहण की है।

मन्त्रीमंडल

नरेन्द्र मोदी के साथ 45 मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनियता की शपथ ली। इसमें 23 कैबिनेट मंत्री, 10 स्वतंत्र प्रभार के मन्त्री और 12 राज्यमंत्री शामिल हैं।

महिलाओं की भागीदारी

16वीं लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है और यह 2009 के 59 से मामूली रूप से बढकर 61 हो गई है।
मध्यप्रदेश के छिंदवाडा लोकसभा के लिए निर्वाचित कांग्रेसी नेता

नोवीं बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। 67 वर्शीय कमलनाथ को 16वीं लोकसभा के सदस्यों को शपथ दिलाने कें लिए प्रोटेम स्पीकर राष्ट्रपति ने नियुक्त किया था।

रजिस्टर्ड राजनीतिक दल

इंडिया टूडे 2014 के अनुसार फिलहाल देश में कुल 1687 रजिस्टर्ड राजनीतिक दल हैं। जिनमें 1650 से ज्यादा राजनीतिक पार्टियों का खाता भी नहीं खुल सका। 2014 के चुनाव में लोकसभा के लिए 3 उम्मीदवार ही चुन के आए हैं। इस चुनाव में कई दिग्गजों को हार का मुंह देखना पडा। व्यक्तिगत रूप 2014 का चुनाव कई वरिष्ठ राजनैतिकों के लिए उनको राजनीतिक कैरियर का अन्त करने वाला साबित हो सकता है।

नोटा का प्रयोग

लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रयोग नोटा विकल्प को देखकर लगभग 60 लाख मतदाताओं ने इस्तेमाल किया। वरिष्ठ भाजपा नेता सुमित्रा महाजन लगातार आठवीं बार इन्दौर में सांसद चुनी गई है। लगातार चुनाव जीतकर उन्होंने नया रिकार्ड कायम किया है। ऐसा करने वाली वह पहली महिला सांसद हैं और वह लोकसभा अध्यक्ष हैं।

निष्कर्ष

उल्लेखनीय है कि 2014 का चुनाव गठबंधन की राजनीति को खत्म करने वाला है। कई राज्यों में एकात्मकता स्थापित की है कि मतदान का प्रतिशत भी ठीक रहा है कई पार्टियों का खाता न खुलने के साथ साथ कई उच्च शिखर के नेताओं को हार का मुंह देखना पडा। कई देशों के नेताओं को भी शपथ ग्रहण समारोह में समान इज्जत के साथ अलग रणनीति के विषय में बैठक भी की है और देश को एक प्रगति के रास्ते पर चलने की योजनाएं प्रस्तुत की है।

सन्दर्भ

1. प्रतियोगिता दर्पण।
2. क्रॉनिकल।
3. इण्डिया टूडे।
4. इन्टरनेट।